oil in suitable cases. The supply of coal to cement factories, in particular, has been stepped up since the proclamation of the state of emergency.

In order to induce the industry to maximise production, a scheme for an incentive by way of an increased price for extra production over and above the best production during the last 3 years has been introduced.

New schemes of a total capacity of 7·809 million tonnes a year have also been so far either licensed or approved. Of the additional capacity licensed/approved, a capacity or 1·286 million tonnes is to be set up on the basis of imported plant and machinery. Indigenous capacity for manufacture of cement machinery has also been set up. A capacity of 1.746 million tonnes, to be installed on the basis of indigenous machinery, is already covered by the allocation of foreign exchange for the import of components. Efforts are also being made to augment cement machinery manufacturing capacity in the country. Continuous pressure is being exerted on cement licensees for completing their projects within the stipulated period.

Efforts are also being made to set up capacity for portland blast furnace slag cement manufacture by utilising the slag which is a by-product of the iron and steel industry.

अमरीका से सोयाबीन का आयात

११३९. **श्री बड़े** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वनस्पति घी के निर्माण हेतु अमरीका से सोयाबीन का आयात करने का शासन का इरादा है; और

(ख) यदि हां, तो क्या सोयाबीन के आयात से देश में मूंगफली के भाव गिर जायेंगे?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

मास्को में औद्योगिक प्रदर्शनी

११४०. **श्री कछवाय** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने मास्को में कोई औद्योगिक प्रदर्शनी लगाने का निर्णय किया है; और

(ख) यदि हां, तो यह प्रदर्शनी कब लगाई जायेगी और उसका ब्योरा क्या है?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) जी हां।

(ख) १ से ३१ जुलाई १९६३ तक। ब्योरा अभी अन्तिम रूप से तयार किया जा रहा है।

जिन्सों के वायदा कारोबार पर प्रतिबन्ध

११४१. **श्री ब्रजराज सिंह** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अब तक भारत सरकार ने किन-किन जिन्सों के वायदा कारोबार पर पाबन्दी लगाई है; और

(ख) यह पाबन्दी कब-कब लगाई गई?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में अतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) और (ख). दो विवरण सभा पटल पर रख जाते हैं [**पुस्तकालय में रखे गये। देखिये संख्या** LT-775/63]